वर्ष–2026

31 मार्च 2026 तक संशोधित सूचना का अधिकार अधिनियम –2005

मैनुअल–5

रेशम निदेशालय, उत्तराखण्ड

के

लोक प्राधिकारी अथवा उसके कर्मियों द्वारा अपने कृत्यों के निर्वहन के लिए धारित तथा प्रयोग किये जाने वाले नियम, विनियम, अनुदेश निर्देशिका और अभिलेख की सूचना–

(The rules , regulations, instructions, manuals and records , held by it or under its control or used by its employees for discharging its functions)

विभागाध्यक्ष, कार्यालयाध्यक्ष एवं उनके अधीन कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मियों को अपने कर्तव्य एवं दायित्वों के निर्वहन हेतु जो अभिलेख कार्यालय में अनुरक्षित किये जाते है , उनका विवरण निम्न प्रकार हैच :–

अभिलेख का नाम	:	अभिलेख का प्रकार – अभिलेख
1. विभागाध्यक्ष/ कार्यालयाध्यक्ष स्तर के कार्यालय में अनुरक्षित रखे जाने वाले अभिलेख	:	उपस्थित पंजिका, भ्रमण पंजिका, टी0ए0बिल चैक पंजिका, आकस्मिक अवकाश पंजिका, कैशबुक, कैश रसीद बुक, भण्डार पंजिका, बिल बुक लेजर, ट्रेजरी गार्ड, जी0 पी0 एफ0 लेजर एवं पंजिका,सेवा पुस्तिका, डाक प्रेषण एवं प्राप्ति पंजिका, शासकीय टिकट पंजिका, वाहन लॉगबुक, चालान गार्डफाईल, शासन स्तर के पत्रों का निस्तारण पंजिका, बजट आवंटन पंजिका, ब्यय विवरण पंजिका, निरीक्षण पंजिका, आगन्तुक पंजिका।
2. जनपद के अंतर्गत स्थापित इकाई में अनुरक्षित रखी जाने वाले अभिलेख	:	उपस्थित पंजिका, भ्रमण पंजिका, टी0ए0 बिल पंजिका, आ0 अवकाश पंजिका, भुगतान पंजिका, कैशबुक, कैश रसीदबुक, भण्डार पंजिका, बिलबुक, लेजर बुक, डाक प्रेषण एवं प्राप्ति पंजिका, शासकीय टिकट पंजिका, वाहन लाग निरीक्षण पंजिका, चालान, गार्ड फाइल, आगंतुक पंजिका, दैनिक कार्य पंजिका, दैनन्दिनी, प्रशिक्षण पंजिका। उपरोक्त के अतिरिक्त विभागीय केन्द्रों पर कीटाण्ड प्राप्त पंजिका, कीटाण्ड वितरण पंजिका, वृक्षारोपण पंजिका, कोया उत्पादन पंजिका, नर्सरी पंजिका, निरीक्षण पंजिका , कच्चा माल भंडार पंजिका, स्थाई भंडार पंजिका इत्यादि का रख रखाव किया जाता है।
नियम, विनियम, अनुदेश, निर्देशिका और अभिलेख की प्रति प्राप्त करने हेतु पता	:	पता – निदेशक , रेशम विभाग, रेशम निदेशाल उत्तराखण्ड, प्रेमनगर , देहरादून। दूरभाष – 0135 –2773227 (कार्यालय) ई.मेल – dosua 2002@ yahoo.com dosua 13@ gmil.com
नियम, विनियम, अनुदेश, निर्देशिका और अभिलेख की प्रति को प्राप्त करने का शुल्क (यदि कोई हो)	:	रू. 10.00 प्रार्थनापत्र की फीस रू0 2.00 प्रति पृष्ठ, रू0 50.00 प्रति पैन ड्राइब
रेशम विभाग उत्तराखण्ड की पुनरक्षित संरचना		संलग्नक–1

संलग्नक–1

रेशम विकास विभाग उत्तराखण्ड के अन्तर्गत दिनांक 31–03–2026 तक स्वीकृत/कार्यरत एंव रिक्त पदों का विवरण

क्र0 सं0	पदनाम	वेतनमान	कुल स्वीकृत पद	पदों की संख्या		अभ्युक्ति
				कार्यरत	रिक्त	
1	निदेशक	वेतन लेवल–13 रू0 123100–215900	01	–	01	
2	संयुक्त निदेशक	वेतन लेवल–12 रू0 78800–209200	01	01	–	
3	उप निदेशक	वेतन लेवल 11 रू0 67700–208700	02	02	–	
4	सहायक निदेशक	वेतन लेवल–10 रू0 56100–177500	09	05	04	
5	मुख्य प्रशासनिक अधिकारी	वेतन लेवल–10 रू0 56100–177500	02	02	–	
6	सहायक लेखाधिकारी	वेतन लेवल–8 रू0 47600–151100	01	01	–	
7	वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी	वेतन लेवल–8 रू0 47600–151100	02	02	–	
8	प्रशासनिक अधिकारी	वेतन लेवल–7 रू0 44900–142400	03	03	–	
9	लेखाकार	वेतन लेवल–6 रू0 35400–112400	01	–	01	
10	वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक	वेतन लेवल–6 रू0 35400–112400	01	01	–	
11	प्रधान सहायक	वेतन लेवल–6 रू0 35400–112400	05	05	–	
12	निरीक्षक (रेशम)	वेतन लेवल–5 रू0 29200–92300	35	32	03	
13	सहकारी निरीक्षक (रेशम)	वेतन लेवल–5 रू0 29200–92300	01	–	01	
14	सहायक लेखाकार	वेतन लेवल–5 रू0 29200–92300	01	–	01	
15	वरिष्ठ सहायक	वेतन लेवल–5 रू0 29200–92300	08	08	–	
16	वैयक्तिक सहायक	वेतन लेवल–5 रू0 29200–92300	02	01	01	
17	अधिदर्शक/प्रदर्शक (रेशम)	वेतन लेवल–2 रू0 19900–63200	71	46	25	
18	सहकारिता पर्यवेक्षक	वेतन लेवल–2 रू0 19900–63200	02	01	01	
19	कनिष्ठ सहायक	वेतन लेवल–3 रू0 21700–69100	09	04	05	
20	चालक	वेतन लेवल–3 रू0 21700–69100	06	02	04	
21	बीज परीक्षक	वेतन लेवल–1 रू0 18000–56900	08	–	08	
22	प्रधान कीटपालक	वेतन लेवल–1 रू0 18000–56900	25	01	24	
23	प्रधान माली	वेतन लेवल–1 रू0 18000–56900	20	02	18	
24	कीटपालक	वेतन लेवल–1 रू0 18000–56900	65	12	53	
25	माली	वेतन लेवल–1 रू0 18000–56900	20	09	11	
26	अनुसेवक	वेतन लेवल–1 रू0 18000–56900	21	02	19	
27	चौकीदार	वेतन लेवल–1 रू0 18000–56900	17	04	13	
	योग :–		**339**	**146**	**193**	

क्र0सं0	**संवर्ग**	**स्वीकृत पद**	**कार्यरत**	**रिक्त**
1	**श्रेणी 'क'**	04	03	01
2	**श्रेणी 'ख'**	14	10	04
3	**श्रेणी 'ग'**	145	103	42
4	**श्रेणी 'घ'**	176	107 (30 नियमित + 61 उपनल + 16	69
	योग :–	**339**	**223**	**116**

महामहिम श्री राज्यपाल को प्रेषित की जाने वाली विभागीय विकास कार्यक्रमों की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की सूचना।

वर्ष ..... **प्रपत्र (अ)**

विभाग का नाम :–रेशम निदेशालय उत्तराखण्ड **वित्तीय प्रगति**

एस0सी0पी0 हेतु बजट प्रावि/अव0धन0 :–

टी0एस0पी0 हेतु बजट प्रावि/अव0धन0 :–ा **माह .....**

(धनराशि लाख रू0 में)

क0 सं0	योजना का नाम	परिव्यय	बजट प्राविधान	अवमुक्त धनराशि	क्रमिक व्यय	एस0सी0 पी0 पर व्यय	टी0एस0पी0 पर व्यय	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	7	8	9	10

रेशम निदेशालय उत्तराखण्ड **प्रपत्र (ब)**

भौतिक प्रगति वर्ष .....

माह.....

क्र0 सं0	योजना का नाम	इकाई	वार्षिक लक्ष्य (संशो0)	माह की प्रगति	क्रमिक प्रगति	एस0सी0पी0 (क्रमिक)	टी0एस0पी0 (क्रमिक)
1	2	3	4	5	6	7	8

जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी को प्रेषित की जाने वाली मासिक प्रगति सूचना का प्रारूप

रूप पत्र

रेशम विकास विभाग जनपद..... माह :.....

.

क्र.सं.	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले / बजट		लक्ष्य	उपलब्धि
			प्राप्त	व्यय		
1	शहतूत वृक्षारोपण योजना	योजना का उद्देश्य विभागीय चॉकी कीटपालन केन्द्रों के साथ–साथ कृषकों की निजी भूमि पर उन्नतशील शहतूत प्रजातियों का फुटकर वृक्षारोपण करते हुये रेशम कीटपालन हेतु प्रचुर मात्रा में भोज्य पौध तैयार करना है।				
		कीटपालन कार्य के उपरान्त रेशम कीट अवशेषों, अप्रयुक्त पत्तियों तथा एफ0 वाई0एम0 के द्वारा जैविक खाद तैयार करना एवं जैविक खाद का उपयोग।				
		चॉकी कीटपालन हेतु कीटपालन कक्षों का निर्माण तथा पुराने भवनों का जीर्णोधार, तथा चॉकी कीटपालन उद्यानों की फैन्सिंग निर्माण व मरम्मत आदि।				
		प्रदेश में कुशल मानव संसाधनों का विकास करना तथा लाभार्थियां को रेशम उद्योग की नवीनतम तकनीकियों की जानकारी उपलब्ध कराना।				
		रेशम कीटपालकों को कीटाण्ड मूल्य भुगतान में सहायता उपलब्ध कराना है ताकि निर्बलवर्गीय कृषक अल्प मूल्य पर रेशम कीटाण्ड प्राप्त कर कीटपालन कार्य कर सके।				
		प्रदेश में प्राकृतिक रूप से उपलब्ध प्रचुर वन सम्पदा का दोहन कर गैर शहतूती रेशम कीटपालन कार्य से रोजगार के अवसरों को जुटाना है तथा विभागीय केन्द्रों पर गैर शहतूती पौधालयों की स्थापना, भोज्य पौधों का उत्पादन तथा क्षेत्रों में रोपण करना है।				
		बीज संगठन को सुदृढीकृत करते हुए रेशम कीटाण्डों का उत्पादन में आत्मनिर्भरता प्राप्त करना है।				
		प्रदेश में कीटपालकों द्वारा उत्पादित किये जा रहे रेशम कोये का त्वरित निस्तारण तथा कोया उत्पादकों को उनके उत्पाद की गुणवत्ता के आधार पर मूल्य भुगतान व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु कोया बाजारों का उच्चीकरण करना है।				

2	यू0सी0आर0एफ0 का सुदृढीकरण	रेशमोद्योग के कोसोत्तर विकास कार्यक्रमों जैसे–कोया बाजारों का संचालन, कोया मूल्य भुगतान, रेशम, रीलिंग, टिवस्टिंग, डाईंग, डिजायनिंग, विविंग तथा मार्केटिंग आदि गतिविधियों के संचालन हेतु सहकारी शीर्ष संस्था यू.सी.आर.एफ. को सुदृढ बनाना।				
		प्रदेश में रेशम वस्त्रों के उत्पादन हेतु नये बुनाई करघो तथा पावरलूम की स्थापना, पुराने करघों का उच्चीकरण, कच्चे माल उपलब्ध कराना।				
		योजना का उद्देश्य फेडरेशन द्वारा क्रय किये गये रेशम कोये की रीलिंग करते हुए मूल्य सम्बर्धन तथा लाभार्जन करना है।				
		प्रदेश के रेशम सहकारी समितियों को रेशम विकास सम्बन्धी गतिविधियों के संचालन में स्वावलम्बी एवं दक्ष बनाना।				
3	केन्द्रपोषित सिल्क समग्र योजना (राज्यांश)	भारत सरकार द्वारा प्रदेश में सिल्क समग्र योजना का संचालन प्रारम्भ किया गया है जिसके अन्तर्गत सामान्य, एस0सी0एस0पी0 व टी0एस0पी0 में नये रेशम क्लस्टर्स विकसित कर लाभार्थियों को कीटपालन कक्षों का निर्माण व टूलकिट्स आपूर्ति हेतु सहायता उपलब्ध कराना है।				
4	रेशम कोया उत्पादकों को रेशम फसलों हेतु प्रोत्साहन सहायता	योजना का उद्देश्य प्रतिकूल प्राकृतिक कारणों से रेशम कोया उत्पादन से कीटपालकों को हुई आर्थिक क्षति की प्रतिपूर्ति करना है।				

जिला सेक्टर, राज्य सेक्टर, केन्द्र पोषित एवं वाह्य सहायतित योजना की वित्तीय प्रगति का मासिक प्रगति प्रतिवेदन

माह : ..... (धनराशि लाख रु0 में)

प्रारूप–1

जिला योजना, राज्य सेक्टर, केन्द्र पुरोनिधानित तथा एवं वाह्य सहायतित योजनाओं की वित्तीय प्रगति रिपोर्ट।

विभाग– रेशम विभाग माह – (धनराशि लाख रु0 में)

क0 सं0	सैक्टर का नाम	अनुमोदित परिव्यय	शासन से अवमुक्त	शासन से अवमुक्त धनराशि का अनु0 परिव्यय से प्रतिशत	जिला स्तर से विभाग को अवमुक्त धनराशि	आहरित धनराशि	कमिक व्यय	व्यय का अवमुक्त धनराशि से प्रतिशत	दि. ..... को अवशेष	अवशेष के सापेक्ष व्यय	स्पेशल कम्पो0 प्लान			ट्राईबल सब प्लान		
											मात्राकृत धनराशि	प्राप्त आवंटन	कमिक व्यय	मात्राकृत धनराशि	प्राप्त आवंटन	कमिक व्यय
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17
1	जिला योजना															
2	राज्य सेक्टर															
3	केन्द्र पोषित															
4	वाह्य सहायतित															
	कुल योग															

निदेशक (रेशम)

ग्राम्य विकास कार्यो की मासिक प्रगति सूचना हेतु प्रारूप

तालिका – 13

रेशम – उद्योग

माह–.....वर्ष ..... जनपद–.....

क्र0 सं0	मद विवरण	इकाई	वार्षिक लक्ष्य	उपलब्धि		
				मासिक	क्रमिक	प्रति0
1	2	3	4	5	6	7
1	शहतूत/अजुर्न नर्सरी स्थापना स्थापना : (क) विभागीय	संख्या				
	(ख) निजि क्षेत्र	संख्या				
	(ग) संयुक्त क्षेत्र	संख्या				
2	कुल पालित कीटाण्ड	किलोग्राम				
3	कुल कोया उत्पादन	किलोग्राम				
4	उत्पादित रेशम धागा की मात्रा	किलोग्राम				
5	कीटपालकों की संख्या					
क	कुल	संख्या				
ख	महिला	संख्या				
ग	अनुसूचित/जाति/जनजाति	संख्या				
6	कीटपालकों को वितरित ऋण	हजार रु0				

विभाग द्वारा संचालित प्रमुख योजनाओं का विवरण वार्षिक सूचना
रेशम निदेशालय उत्तराखण्ड

क्र.सं.	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले /बजट		लक्ष्य	उपलब्धि
			प्राप्त	व्यय		
1	शहतूत वृक्षारोपण योजना	योजना का उद्देश्य विभागीय चॉकी कीटपालन केन्द्रों के साथ–साथ कृषकों की निजी भूमि पर उन्नतशील शहतूत प्रजातियों का फुटकर वृक्षारोपण करते हुये रेशम कीटपालन हेतु प्रचुर मात्रा में भोज्य पौध तैयार करना है।				
		कीटपालन कार्य के उपरान्त रेशम कीट अवशेषों, अप्रयुक्त पत्तियों तथा एफ0 वाई0एम0 के द्वारा जैविक खाद तैयार करना एवं जैविक खाद का उपयोग।				
		चॉकी कीटपालन हेतु कीटपालन कक्षों का निर्माण तथा पुराने भवनों का जीर्णोधार, तथा चॉकी कीटपालन उद्यानों की फैन्सिंग निर्माण व मरम्मत आदि।				
		प्रदेश में कुशल मानव संसाधनों का विकास करना तथा लाभार्थियां को रेशम उद्योग की नवीनतम तकनीकियों की जानकारी उपलब्ध कराना।				
		रेशम कीटपालकों को कीटाण्ड मूल्य भुगतान में सहायता उपलब्ध कराना है ताकि निर्बलवर्गीय कृषक अल्प मूल्य पर रेशम कीटाण्ड प्राप्त कर कीटपालन कार्य कर सके।				
		प्रदेश में प्राकृतिक रूप से उपलब्ध प्रचुर वन सम्पदा का दोहन कर गैर शहतूती रेशम कीटपालन कार्य से रोजगार के अवसरों को जुटाना है तथा विभागीय केन्द्रों पर गैर शहतूती पौधालयों की स्थापना, भोज्य पौधों का उत्पादन तथा क्षेत्रों में रोपण करना है।				
		बीज संगठन को सुदृढीकृत करते हुए रेशम कीटाण्डों का उत्पादन में आत्मनिर्भरता प्राप्त करना है।				
		प्रदेश में कीटपालकों द्वारा उत्पादित किये जा रहे रेशम कोये का त्वरित निस्तारण तथा कोया उत्पादकों को उनके उत्पाद की गुणवत्ता के आधार पर मूल्य भुगतान व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु कोया बाजारों का उच्चीकरण करना है।				
2	यू0सी0आर0एफ0 का सुदृढीकरण	रेशमोद्योग के कोसोत्तर विकास कार्यक्रमों जैसे–कोया बाजारों का संचालन, कोया मूल्य भुगतान, रेशम, रीलिंग, टिवस्टिंग, डाईंग, डिजायनिंग, विविंग तथा मार्केटिंग आदि गतिविधियों के संचालन हेतु सहकारी शीर्ष संस्था यू.सी.आर.एफ. को सुदृढ बनाना।				
		प्रदेश में रेशम वस्त्रों के उत्पादन हेतु नये बुनाई करघो तथा पावरलूम की स्थापना, पुराने करघों का उच्चीकरण, कच्चे माल उपलब्ध कराना।				
		योजना का उद्देश्य फेडरेशन द्वारा कय किये गये रेशम कोये की रीलिंग करते हुए मूल्य सम्बर्धन तथा लाभार्जन करना है।				
		प्रदेश के रेशम सहकारी समितियों को रेशम विकास सम्बन्धी गतिविधियों के संचालन में स्वावलम्बी एवं दक्ष बनाना।				
3	केन्द्रपोषित सिल्क समग्र योजना (राज्यांश)	भारत सरकार द्वारा प्रदेश में सिल्क समग्र योजना का संचालन प्रारम्भ किया गया है जिसके अन्तर्गत सामान्य, एस0सी0एस0पी0 व टी0एस0पी0 में नये रेशम क्लस्टर्स विकसित कर लाभार्थियों को कीटपालन कक्षों का निर्माण व टूलकिट्स आपूर्ति हेतु सहायता उपलब्ध कराना है।				
4	रेशम कोया उत्पादकों को रेशम फसलों हेतु प्रोत्साहन सहायता	योजना का उद्देश्य प्रतिकूल प्राकृतिक कारणों से रेशम कोया उत्पादन से कीटपालकों को हुई आर्थिक क्षति की प्रतिपूर्ति करना है।				

Quarterly Production Return for the quarter IIIrd of the year ……

Name of State: Uttarakhand

1. Food plants Area

A. Mulberry

Area under Mulberry	Existing Area under mulberry as on 31th March of previous year (acre)	Target for the current year 2023-24 (Acres)	Achievement during the current year (acre)		Area Uprooted (ha)		Standing / Existing / net productive area (acre) *	
			DQ	UEQ	DQ	UEQ	DQ	UEQ
1	2	3	4	5	6	7	8	9
(a) Rainfed								
(b) Irrigated								
(c) Tree plantation								
Total :-								

B. Non-Mulberry Food plantation:

Area under Mulberry	Type of Plantation (Hect.)	Existing Area under mulberry as on 31th March of previous Year	Target for the current year 2023-24	Achievement (ha)	
				DQ	UEQ
(a) Tasar	Natural Plantation				
	Economic/Block Plantation				
	Total: -				
(b) Oak tasar	Natural Plantation				
	Plantation (Gap Filling)				
	Total: -				
(c). Eri	Natural Plantation				
	Economic/Block Plantation				
	Total: -				
(d) Muga	Natural Plantation				
	Economic/Block Plantation				
	Total: -				

II Production and Procurement of Disease free laying (DFLs)

Variety	Production (A)				Private sector		Total	
	State Gov.		Central Silk Board					
	DQ	UEQ	DQ	UEQ	DQ	UEQ	DQ	UEQ
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1. Mulberry								
(i)Bivoltine hybrid								
(ii)Cross bread								
(iii)Other								
Total: -								
2. Non Mulberry								
(a)Tasar								
(b)Oak tasar								
(c)Eri								
(d)Muga								

III. Consumption of Disease free layings (DFLs)

Variety	Central Silk Board (Lakh No)		Layings production within the State (Lakh No)		Private sector		Procurement of layings from other States (Lakh No)				Grand Total (Lakh No)	
			State Government									
	DQ	UEQ	DQ	UEQ	DQ	UEQ	DQ	Mention Source of procurement	UEQ	Mention Source of procurement	DQ	UEQ
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
1. Mulberry												
(i)Bivoltine hybrid												
(ii)Cross bread												
(iii)Other(trial)												
Total: -												
2. Non Mulberry												
(a)Tasar												
(b)Oak tasar												
(c) Eri												
(d) Muga												

IV Production and Consumption of Reeling Cocoons

Varity	Unit	Production of reeling cocoons		Consumption within the state	
		DQ	UEQ	DQ	UEQ
A. Mulberry					
(i)Bivoltine	MT				
(ii)Multi Bivoltine /CB	MT				
Total :-					
2. Non Mulberry					
(a)Tasar	MT				
(b)Oak tasar	No				
(c) Eri	Kg				
(d) Muga	No				

V. Production of Raw Silk and Silk Waste:

Varity	Unit	Production Raw Silk		Production of Silk Waste	
		DQ	UEQ	DQ	UEQ
A. Mulberry					
(i)Bivoltine	MT				
(ii)Multi Bivoltine /CB	MT				
Total :-					
B. Non Mulberry					
(a)Tasar	MT				
(b)Oak tasar	MT				
(c) Eri	MT				
(d)Muga	MT				
Total :-					

Form-II

QUARTERLY PHYSICAL AND FINANCIAL PROGRESS OF STATE AND CONVERGENCE PLANS

Name of the State: Uttarakhand
Physical & Financial Report for the Quarter IIIrd of the year……..

SN	Name of the Plan/Scheme	Physical Achievement			Financial Achievement (Lakh Rs.)				
					Allocation for the year	Releases during the year		Expenditure	
			DQ	UEQ		DQ	UEQ	DQ	UEQ
1	**CSS Schemes (State sector)**	Rearing house/No							
2	Plantation development scheme	Rearing app/No							
		Plant/Lac No							
		Org.con/Ton							
		Renovation/No							
		Seed /lack No							
		Oak T. coco./No							
		Seed Prod./No.							
		Stn. of co. Mar/No							
3	Strengthening of UCRF	Trainees/No							
		Societies/No							
		Silk yarn Pro./Ton							
		Weaver/No							
4	Incentive to Rearers for Resham Crop	Coco Disp/MT							
		Coco Quan./ Ton							
II	**Convergence with the Plans of other Departments / Agencies**								
A.	**RKVY**								
1	Development of intensive Bivoltine Sericulture	Training / No							
B	**MNREGA**	Man days							
	Total :-								